

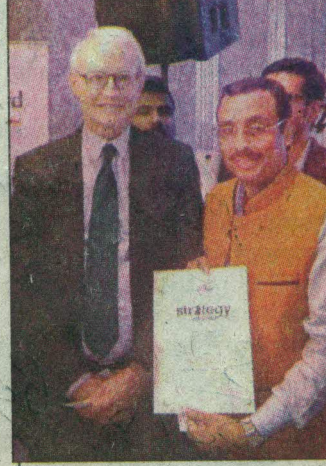
EDII

## उद्यमिता को पाठ्यक्रम में करना होगा शामिल : प्रो. सुनील शुक्ल

गोरखपुर (एसएनबी)। भारत में उद्यमिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हो रहे हैं। देश से लेकर विभिन्न राज्यों की सरकारें भी इस दिशा में वांछित कार्य कर रही हैं। विश्व के तमाम देशों में भारतीय उद्यमिता पर चर्चा होने लगी है। उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई) के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ल ने आज हुई विशेष बातचीत में बताया कि आगामी अप्रैल में ईडीआई मलेशिया के उद्यमियों को प्रशिक्षित करने का कार्य शुरू करने जा रही है।

दीदड गोविंद गोरखपुर में आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे प्रो. शुक्ल ने बताया कि भारत व मलेशिया के प्रधानमंत्री की मौजूदगी में ईडीआई ने एमओयू साइन किया था जिसके तहत यह प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है। प्रो. शुक्ल नीति आयोग की हिमालयन रीजन कमेटी के सदस्य भी हैं।

उनका मानना है कि उप्र व बिहार में उद्यमिता से ही खुशहाली व तरक्की लायी जा सकती है। उन्होंने बताया कि ईडीआई कम्बोडिया, वियतनाम, लाओस, म्यांमार में अपने केन्द्र चला रहा है और शीघ्र ही उज्बेकिस्तान में उसकी शाखा की स्थापना की जानी है। प्रो. शुक्ल अमेरिका, वियतनाम, यूके, रवाण्डा, चिली, ब्राजील, ईरान, दुबई, चीन, मलेशिया, भूटान, नेपाल, लाओस,



उद्यमिता विकास संस्थान के निदेशक प्रो. सुनील शुक्ल से विशेष बातचीत

कम्बोडिया समेत विभिन्न देशों में इंटरपेन्योरशिप विशेषज्ञ के तौर पर दौरा कर चुके हैं। प्रो. शुक्ल को एआईसीटी की ओर से हाल ही में बेस्ट स्टार्टअप इंस्टीच्यूट के निदेशक के तौर पर सम्मानित किया जा चुका है तो वहीं अमेरिका में यूएसए एसबी की ओर से 'माइ स्टार्टअप' डिग्री इंटरपेन्योरशिप आउटसाइड यूएस के सम्मान से भी

वर्ष-2014 में नवाजा जा चुका है। इतना ही उन्हें माइकल पोर्टल स्टेटजी अवार्ड समेत दर्जनों महत्वपूर्ण सम्मानों से नवाजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि ईडीआई की ओर से उ.प्र., मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा व गुजरात में युवकों को उद्यमिता का प्रशिक्षण देने के लिए एक विशेष तरह की सचल बस चलायी जा रही है। इससे सैकड़ों लोगों को रोज लाभान्वित किया जा रहा है।

प्रो. शुक्ल हिन्दी के प्रख्यात साहित्यकार आचार्य रामदेव शुक्ल के पुत्र हैं व गोरखपुर विश्वविद्यालय के छात्र भी रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि सीबीएसई के पाठ्यक्रम में उद्यमिता को विषय के रूप में शामिल किया जा रहा है। इसके लिए बनायी गयी कमेटी के वे सदस्य हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि विश्वविद्यालय तक में उद्यमिता की पढ़ाई होनी चाहिए।